श्री गणेशाय नम

1) गोरबंद लोक गीत :—

★ गोरबंद शब्द का अर्थ :— ऊँट के गले का आभूषण
★ रेबाडी जाति की महिला के द्वारा ऊँट का शृंगार करते समय गोरबंद लोक गीत गाया जाता है।

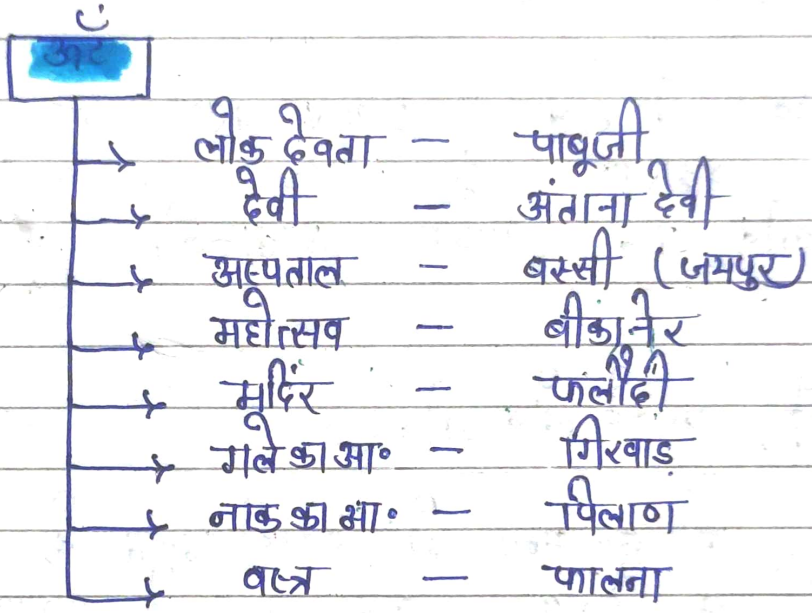

2) लागुरिया लोक गीत :—

★ कैलादेवी की अराधना में
★ चैत्र शुक्ल अष्टमी को लागुरिया लोक गीत गाया जाता है।

3) चीरजा लोक गीत :—

★ जीण माता की अराधना में महिलाओं के द्वारा इकतारा वाद्य यंत्र के साथ चीरजा लोक गीत गाए जाते हैं।

चीरजा लोकगीत
- सीकर
- छप्पहाडी
- बाले → बकरी के कानों की
- पुजारी → दुल्हे
- भोग → 2½ प्याले शराब का

4) **कमायचे लोक गीत :-**

★ रामदेवजी के मेले के अवसर पर कामड़ जाति की महिलाओं के द्वारा तंदूरा वाद्य यंत्र के साथ कमायचे लोक गीत गाया जाता है।

5) **पावड़े / फावड़े लोक गीत :-**

★ पाबूजी की आराधना में रेबाड़ी जाति के भोपा के द्वारा माठ व डेरू वाद्य यंत्र के साथ फावड़े लोक गीत गाए जाते हैं।

6) **तेजाटेर लोक गीत :-**

★ तेजाजी की आराधना में किसानों के द्वारा कृषि कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व तेजाटेर लोक गीत गाए जाते हैं। अलगोजा वाद्य यंत्र के साथ तेजाटेर लोकगीत गाए जाते हैं।

7) **मोरिया लोकगीत :-**

★ इस लोक गीत में एक ऐसी लड़की की व्यथा है। जिसकी सगाई हो चुकी है, लेकिन विवाह में देरी है। वह अपने होने वाले पति की याद में बरसात के मौसम में मध्य रात्रि में मोरिया लोक गीत गाया जाता है।

8) काजलिया लोक गीत :—

★ दुल्हे की भाभीयो के द्वारा दुल्हे की आँखो में काजल लगाती हैं।

9) जलो - जलाल लोक गीत :—

★ वधू पक्ष की महिलाओ के द्वारा बारात का डेरा देखते समय गाया जाता है।

10) कांकडलू लोक गीत :—

★ दुल्हे के द्वारा तोरण मारते समय दोनो पक्ष की महिलाओ के द्वारा गाया जाता है।

11) कामण लोक गीत :—

★ दुल्हे को जादू - टोने से बचाने हेतु गाया जाता है।

12) दुपट्टा लोक गीत :—

★ दुल्हे की सालीयों द्वारा पाणिग्रहण के अवसर पर (कुमड़ा) लोक गीत गाया जाता है।

13) **कोयलड़ी लोक गीत :—**

★ हाड़ौती क्षेत्र में दुल्हन की विदाई के समय गाया जाता है।

14) **सीठणे लोक गीत :—**

★ यह राजस्थान का गाली गीत माना जाता है।

15) **पावणा लोक गीत :—**

★ जब दामाद पहली बार ससुराल आता है तो सालीयों के द्वारा पावणा लोकगीत गाया जाता है।

Note :— [नोट] :- नए दामाद के आगमन की खुशी में (झांझ) नृत्य किया जाता है।

16) **चीरमी लोक गीत :—**

★ नव विवाहित महिला के द्वारा ससुराल पक्ष में रहते हुए अपने भाई व पिता की याद में चीरमी लोक गीत गाया जाता है।

17) **पणिहारी लोक गीत :—**

★ ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के द्वारा पनघट में पानी भरते समय पणिहारी लोक गीत गाया जाता है।

18) बधावा लोक गीत :—

☆ घर में शुभ कार्य होने पर गाया जाता है।

19) जच्चा लोक गीत :— / होलर

☆ संतान प्राप्ति पर गाया जाता है।

20) हरजस लोक गीत :—

☆ यह एक सगुण भक्ति का लोकगीत है। जिसे महिलाओ के द्वारा भजन - कितन के समय गाया जाता है।

21) जीरालोकगीत :— (जालोर) प्रसिद्ध

☆ नवविवाहित महिला के द्वारा अपने पति को जीरा की फसल न बोहने की सला देती है।

22) हिचकी लोक गीत :—

☆ नवविवाहित महिला की माँ के द्वारा अपनी पुत्री की याद में गाया जाता है।

23) रसिया लोक गीत :—

most प्रसिद्ध ~ मेवात क्षेत्र

* नई फसल की आगमन की खुशी में (बम) नृत्य के अवसर पर महिला के द्वारा रसिया लोक गीत गाया जाता है।

24) मार्सिया लोक गीत :—

* यह राजस्थान का प्रसिद्ध (शोक) नृत्य है। इसे किसी की मृत्यु पर गाया जाता है।

* Note :- राज० का प्रसिद्ध शोक नृत्य (झूमर - झूमरा)

25) पद्दीड़ा लोक गीत :—

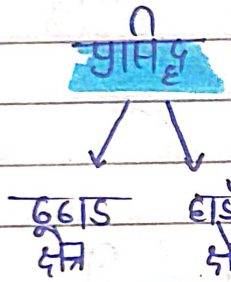

* सर्वप्रथम गाने वाला → माणिक्यलालवर्मा
वर्तमान → डाडिया नृत्य

* पद्दीड़ा लोक गीत को सर्वप्रथम माणिक्यलालवर्मा के द्वारा गाया गया।

* इस लोकगीत को नवरात्रा के समय डाडिया नृत्य के दौरान गाए जाते है।

26) मूमललोकगीत :—

★ यह एक श्रृंगारिक लोक गीत है। जो लोद्रवा की राजकुमारी मूमल व पाकिस्तान का राजकुमार महेन्द्र की प्रेमकथा पर आधारित लोकगीत है।

प्रसिद्ध — मारवाड़ (जैसलमेर)

27) **ढोला - मारू लोकगीत :—**

प्रसिद्ध — सिरोही

★ सिरोही जिले में ढोला व मारू की प्रेमकथा पर आधारित लोकगीत है।

ढोला - मारू

↓ ↓

उम्र 3 वर्ष उम्र $1\frac{1}{2}$ वर्ष

28) **झोरावा लोकगीत / जोरावा :—**

★ मारवाड़ क्षेत्र में नवविवाहित महिला के द्वारा प्रदेश गए पति की याद में झोरावा लोकगीत गाया जाता है।

★ यह लोकगीत राज० का विरह लोक गीत माना जाता है।

29) **केसरिया बालम लोकगीत :—**

* राज॰ का राज्य लोकगीत माना जाता है।
* इस लोकगीत को राजपूति महिला के द्वारा अपने पति की प्रतिक्षा में गाया जाता है।

30) **पपिहा / पपैया लोकगीत :-**

* राज॰ का राज्य लोकगीत माना जाता है।
* इस लोकगीत को राजपूति महिला के द्वारा अपने
* एक प्रेमिका अपने प्रेमी को मिलने हेतु बगीचे में बुलाती है।

31) **सुवटिया लोक गीत :-**

* मारवाड़ क्षेत्र में भील जनजाति की नवविवाहित महिला के द्वारा परदेश गए पति की याद में गाया जाता है।
* इस गीत को भीलो का विरह लोकगीत माना जाता है।

32) **हमसीटो लोक गीत :-**

* भील जनजाति की स्त्री पुरुषो के द्वारा सामूहिक रूप से हमसीटो लोकगीत माना जाता है।
* इसे भीलो का संयोग लोकगीत माना जाता है।

33) **पीपली लोक गीत :-**